ओवर ऑल गोल्ड मेडलिस्ट व अन्य टॉपर सभी इंजीनियरिंग के छात्र, 9.04 सीजीपीए पाकर खिले प्रतिभाओं के चेहरे

आइआइएम के दीक्षा समारोह में इंजीनियरिंग का चला जादू

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

अखिल भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रायपुर के आठवें दीक्षा समारोह में इंजीनियरिंग का बोलबाला रहा। ये गुरुवार को आइआइएम रायपुर के कैंपस में आयोजित किया गया। यहां कई इंजीनियरिंग के छात्रों ने अपना लोहा मनवाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसमें राही जैन सबसे अधिक नंबर लाकर ऑल ओवर गोल्डलिस्ट रहा। वहीं दूसरे गोल्ड मेडलिस्ट बुसीरेड्डी नंदनी और तीसरे नंबर पर शैलजा तिवारी रहीं। वहीं बेस्ट स्टूडेंट ऑफ इयर का मेडल सिल्वरस्टर सैम्युएल जी को मिला। मुख्य अतिथि से उपाधि ग्रहण कर प्रतिभाएं उत्साहित हुईं। सभी के चेहरे खुशी से दमक उठे। दीक्षा में कुल 233 पीजीपी की उपाधि प्रदान की गई। इसमें साल 2016-18 बैच के 54 छात्र और 2017-19 बैच के 179 छात्र शामिल हैं। साथ ही आठ पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय दूरसंचार नियामक प्रशिक्षण के अध्यक्ष डॉ. रामसेवक शर्मा के हाथों डिग्री दी गई। शासी मंडल आइआइएम रायपुर के अध्यक्ष श्यामला गोपीनाथन और आइआइएम के निदेशक प्रो. भास्कर उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी छात्रों को उपाधि दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शर्मा ने कहा कि जहां चाह होती है वहीं राह होती है। स्टूडेंट जब अपने आप से कॉम्मिटिशन करने लगेंगे तो वे शिखर तक जरूर पहुंचेंगे। आज जितने भी छात्र उपाधि हासिल किए हैं, वे आगे भी इस बात का ध्यान देंगे कि हमें अपने आप के लिए और अपने देश के लिए काम करना है। सभी अपने लक्ष्य पर फोकस करें और खूब तरक्की करें।

उपाधि पाकर दमक उठे सभी के चेहरे, हवा में उड़ाए सिर का ताज : किसी भी इंसान के लिए वह खूबसूरत लम्हा होता है, जब उसे मेहनत का फल मिलता है। ठीक उसी प्रकार छात्र के लिए वह लम्हा खूबसूरत और मेमोरेबल होता है, जब उसे अपनी मेहनत का फल मिलता है। वो भी डिग्री के रूप में तो फिर छात्रों के लिए खुशी का ठिकाना कैसे रहेगा। ठीक उसी प्रकार आइआइएम के छात्रों को डिग्री मिलते ही खुशी का ठिकाना नहीं रहा सभी ने एक साथ हवा में कैप उड़ाकर अपनी खुशी जाहिर की।

दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के हाथों मेडल व डिग्री लेतीं शैलजा तिवारी।

आइआइएम में डिग्री लेने के बाद सभी शपथ लेते हुए।

लक्ष्य साफ और कड़े परिश्रम से मिलती है सफलता

केस एक

आइआइएम के ऑल ओवर टॉपर राही जैन जो सबसे हाइयेस्ट सीजीपीए पाकर प्रथम गोल्ड मेडलिस्ट रहा। उसने कहा कि इंसान को पहले अपने लक्ष्य साफ रखना चाहिए। साथ ही कड़ी मेहनत करें, तब जाकर सफलता कदम चूमती है। राही इससे पूर्व इंजीनियरिंग के छात्र रहे और आइआइएम से एमबीए की डिग्री ली। राही आगे कार्पोरेट सेक्टर में काम करना चाहते हैं। कैंपस सेलेक्शन में राही को आइसीआइसीआइ बैंक में बतौर मैनेजमेंट ट्रेनी जॉब मिला है। उन्होंने बताया कि मै एक छोटे से शहर खंडवा मध्यप्रदेश का रहने वाला है। हमारे सपने बड़े थे, जिसके लिए रायपुर आया और आज गोल्डमेलिस्ट भी पाया। इसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है जिन्होंने हर समय हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल भी जरूरी

केस दो

आंध्रप्रदेश के रहने वाली बुसीरेड्डी नंदनी, जिसके नाम दूसरा गोल्ड मेडल रहा, नंदनी का मानना है कि हमें अपने पेशन के साथ पढ़ाई भी करनी चाहिए और मैंने यही किया। हमें जो क्लास में पढ़ाया जाता था, उसे हमेशा प्रैक्टिकल करते थे। इससे बात बहुत आसानी से समझ में आ जाती थी। नंदनी पहले इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। इसके बाद मैनेजमेंट में भी अपने-आपको साबित करने के लिए आईं और यहां भी उन्होंने खुद को साबित कर दिया। पिता पेनशलनरसा रेड्डी और माता पदमावत्मा का हमेशा सहयोग मिला। इसके बलबूते वे आगे बढ़ीं। आगे वे कार्पोरेट सेक्टर में अपना कैरियर बनाना चाहती हैं।

हार्ड वर्क से पाया जा सकता है अपना लक्ष्य

केस तीन

आइआइएम की तीसरे गोल्ड मेडलिस्ट शैलजा तिवारी का मानना है कि हमें स्मार्ट और हार्ड वर्क से ही सफलता मिल सकती है, अन्यथा आप भीड़ के होकर रह जाएंगे। बदलते दौर में सबको अपने आप को भी बदलना होगा और भीड़ का नहीं अपना मुकाम हासिल कर अपने आपको भीड़ से अलग करें। शैलजा जबलपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि आगे हमें अपने आपको और भी साबित करना है। उन्होंने इसका श्रेय अपने पिता और माता को दी। इसके बिना यह संभव नहीं था।

खेलने का हूं शौकीन और उससे भी ज्यादा पढ़ाई का

केस चार

सिल्वरस्टर सैम्युएल जी ने जो बेस्ट स्टूडेंट ऑफ इयर रहा जिसने बताया कि हमें पढ़ाई के साथ खेलना भी जरूरी है हमने पढ़ाई तो खूब की, साथ ही अपने खेल को भी जारी रखा। हमारा पसंदीदा खेल टेबल टेनिस है, जिसे मैं पढ़ाई के साथ जीता हूं।

Naidunia, 26th April 2019,P.5